

SHRI SAMBHAJI CHHATRAPATI (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

श्री कैलाश सोनी (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूँ।

**Need to lift the ban on recruitment of teachers and employees
in Allahabad University**

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश) : चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूँ। मान्यवर, दो दशक पहले इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के 'ईस्ट ऑफ ऑक्सफोर्ड' कहा जाता था। अन्य प्रदेशों से भी बच्चे वहाँ पढ़ने जाया करते थे, लेकिन धीरे-धीरे क्रमशः इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में शिक्षण का कार्य अच्छा न होने के कारण विश्वविद्यालय में बाहर के लड़के आने बंद हो गए। जो उसकी गरिमा थी, वह गरिमा भी धीरे-धीरे क्रमशः कम होने लगी।

मान्यवर, आज इलाहाबाद विश्वविद्यालय की हालत इतनी खराब है कि वहाँ पर टीचर्स की जितनी sanctioned strength थी, उसको भी नहीं भरा गया। आज वहाँ पर 582 पद खाली हैं। इसी तरह से कर्मचारियों के भी पद बड़ी संख्या में खाली हैं, 568 पद खाली हैं। वहाँ पर दस विभागों में से बहुत से विभागों में एक प्रोफेसर हैं, एसोसिएट प्रोफेसर नहीं हैं, असिस्टेंट प्रोफेसर नहीं हैं और जो एसोसिएट कॉलेज हैं, उनमें भी भर्ती रोक दी गई है।

मान्यवर, मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि आप सरकार को, एचआरडी मिनिस्टर को यह निर्देश देने की कृपा करें कि वहाँ पर तत्काल खाली पदों को भरने का काम किया जाए, बहुत-बहुत धन्यवाद।

**Need to upgrade the Rajarshi Chhatrapati Shahu Government Medical College and
the Chhatrapati Pramila Raje Hospital at Kolhapur, Maharashtra**

SHRI SAMBHAJI CHHATRAPATI (Nominated): Mr. Chairman, Sir, Chhatrapati Pramila Raje Hospital was built in the year 1875 with the blessings of the erstwhile ruler Chhatrapati Shahu Maharaj of Kolhapur. The Hospital underwent many changes, each personally overseen by Chhatrapati Shahu Maharaj and offered free treatment to everyone. It was a true visionary initiative from one of the most progressive leaders and social reformers the country has ever seen. The changes he brought about to the hospital in a short span of time were essentially quick upgrades, keeping up with the advances in the medical world. In the year 2000, after 125 years since its establishment, the hospital was affiliated to the newly established Chhatrapati Shahu Maharaj Government Medical College. The 665-bed hospital serves not only people from the district of Kolhapur but also from neighbouring districts such as Sangli, Satara, Konkan